पाठ-13

परमेश्वर आपके साथ होगा

परमेश्वर के बारे में यह सीखें :

कुछ लोग उन लोगों को दुःख (नुकसान) पहुँचाने की कोशिश करते हैं जो परमेश्वर से प्रेम करते हैं। आप जहाँ भी हैं वहाँ परमेश्वर आपके साथ होगा। आपकी भलाई के लिए परमेश्वर सब कुछ करेगा। जिन्होंने आपको दुःख पहुँचाया है उनको क्षमा करने में परमेश्वर आपकी सहायता करेगा।

इसे अपनी बाइबल में से पढ़ें

इसे पाँच बार ज़ोर-ज़ोर से पढ़ें :

"यूसुफ के स्वामी ने उसको पकड़कर बन्दीगृह में डलवा दिया– पर यहोवा यूसुफ के संग-संग रहा।" उत्पत्ति 39:20, 21 यूसुफ ने कहा– "यद्यपि तुम लोगों ने मेरे लिए बुराई का विचार किया था; परन्तु परमेश्वर ने उस बात में भलाई का विचार किया।" उत्पत्ति 50:19, 20

क्या आप यह कर सकते हैं ?

सही उत्तर वाले शब्द पर गोला बना दें।

1. किसे बंदीगृह में डाल दिया गया था ? इसहाक यूसुफ याकूब
2. बंदीगृह में उसके साथ कौन था ? याकूब इसहाक परमेश्वर
3. जिन लोगों ने आपको दुःख पहुँचाया है उनके लिए परमेश्वर किस प्रकार की सहायता करेगा ? क्षमा करेगा दुःख पहुँचाएगा
4. कौन आपकी भलाई के लिए सब कुछ करेगा ? आप परमेश्वर

उत्तर

1. यूसुफ 2. परमेश्वर 3. क्षमा करेगा 4. परमेश्वर

यूसुफ के भाई यूसुफ को दुःख पहुँचाने की कोशिश करते हैं।

चिन्ह वाले सब शब्दों को रेखांकित करें।

याकूब के बारह पुत्रों में से यूसुफ एक था। याकूब यूसुफ को प्यार करता था। उसने यूसुफ को एक सुन्दर सा कोट दिया। इससे उसके भाई ईर्ष्या से भर उठे। उन्होंने यूसुफ से घृणा की।

परमेश्वर ने यूसुफ से प्रेम किया और उससे बात-चीत की। *परमेश्वर ने उसे स्वप्नों में दिखाया कि वह एक बड़ा शासनकर्त्ता होगा। *

परमेश्वर

*परमेश्वर ने जो कुछ याकूब से कहा उस पर उसने विश्वास किया। * उसने जो स्वप्न देखे थे उन्हें अपने भाईयों को बताया। इसके कारण उसके भाई उससे और अधिक ईर्ष्या करने लगे।

यूसुफ के भाइयों ने उसे मार डालने की योजना बनाई। उन्होंने उसे एक सूखे कुएँ में डाल दिया। इतना ही नहीं उन्होंने उसे एक गुलाम के रूप में बेच दिया। तब उन्होंने अपने पिता याकूब को विश्वास दिला दिया कि एक जंगली जानवर ने यूसुफ को मार डाला।

परमेश्वर याकूब के साथ है

जिन लोगों ने यूसुफ को खरीद लिया था वे उसे दूर देश को ले गये उन्होंने उसे एक गुलाम के रूप में पोतीपर को बेच दिया। *परन्तु पोतीपर के घर में परमेश्वर यूसुफ के साथ था। * परमेश्वर ने उसे प्रत्येक कार्य को ठीक-ठीक करने में सहायता दी। परमेश्वर यूसुफ से प्रसन्न था। इसी तरह पोतीपर से भी।

पोतीपर की पत्नी ने यूसुफ को पाप में गिराने का यत्न किया। यूसुफ ने पाप नहीं किया। उसने परमेश्वर से प्रेम किया। पोतीपर की पत्नी ने यूसुफ के बारे में झूठ बोला। पोतीपर ने यूसुफ को बंदीगृह में डलवा दिया। *परन्तु अब भी परमेश्वर यूसुफ के साथ था।*

परमेश्वर सब कुछ भलाई के लिए ही करता है।

एक दिन राजा ने यूसुफ को बुलवाया। परमेश्वर ने स्वप्न में राजा से बात की थी। परन्तु राजा उस स्वप्न का अर्थ नहीं समझा था। परमेश्वर ने उस स्वप्न का अर्थ यूसुफ को बताया। सात वर्ष तो अच्छी फसल के थे। तब सात वर्ष अकाल के जिनमें कोई फसल न होगी। यूसुफ ने राजा को स्वप्न का अर्थ बता दिया।

अपने भाईयों को क्षमा करने में परमेश्वर यूसुफ की सहायता करता है।

यूसुफ के भाई अनाज लेने के लिए आये। *परमेश्वर ने यूसुफ की सहायता की कि अपने भाइयों को क्षमा करे जिन्होंने युसूफ के साथ बुरा किया था।*

यूसुफ ने अपने भाइयों को अनाज और रहने के लिए उत्तम स्थान दिया। उसने उनसे प्रेम किया। *परमेश्वर ने सब कुछ भलाई के लिए ही किया है।* आपको चाहे कुछ भी क्यों न हो परमेश्वर से प्यार करना और उससे प्रार्थना करना न छोड़ें। *जो लोग आपको दुःख दें, उन्हें आप क्षमा कर दें।* परमेश्वर सब कुछ भलाई के लिए ही करेगा।

इन पाठों में आपने बहुत सी बातें सीखीं हैं। आपने सीखा है कि परमेश्वर आपको किस तरह प्रेम करता है। आपने सीखा है कि परमेश्वर महान और भला है। परमेश्वर ने आपको बनाया और चाहता है कि आप उसके पुत्र/पुत्री बनें। परमेश्वर भला है और वह चाहता है कि उसके सन्तान (पुत्र/पुत्रियाँ) भी भले बनें। परमेश्वर चाहता है कि आप दूसरों के प्रति दयालु हों।परमेश्वर ने अपना मेम्ना, यीशु को आपके पापों के बदले में मरने के लिए भेज दिया। परमेश्वर आपको क्षमा करना चाहता है और आशीष देना चाहता है। परमेश्वर चाहता है कि आप उसके साथ स्वर्ग में रहें। आप जहाँ कहीं भी क्यों न हों परमेश्वर आपकी सुधि लेगा। परमेश्वर चाहता है कि आप केवल उसी से प्रार्थना करें और अन्य किसी देवता या मूर्ति से नहीं।

परमेश्वर चाहता है कि आप उसके पीछे हो लें। परमेश्वर सदा सच बोलता है। यदि आप परमेश्वर से प्रेम करें और उसकी आज्ञा मानें तो वह आपके लिए सब कुछ ठीक करेगा।जब आप प्रतिदिन परमेश्वर के संग-संग चलते और उससे बातचीत करते हैं, परमेश्वर आपको आशीष देता है।

प्रार्थना

हे परमेश्वर,मैं जानता हूँ कि आप मुझसे बाइबल के द्वारा बात करते हैं। आपने यूसुफ की चिन्ता की। आपने इब्राहीम को आशीष दी। आप आदम और नूह के संग-संग चले और आपने उनसे बातचीत की। आप मुझे प्यार करते हैं। मैं जहाँ कहीं भी हूँ आप मेरे साथ हैं। जैसे कि आपने एक बार याकूब के पाप क्षमा किये थे, ठीक उसी प्रकार आपने मेरे पापों को भी क्षमा किया है। इसहाक के समान आपके मेम्ने की मृत्यु से मैं बच गया हूँ। हनोक के समान ही आप भी मुझे ऊपर स्वर्ग में रहने के लिए ले जाएंगे। मैं आपका पुत्र हूँ। मैं जहाँ कहीं भी रहूँ मैं आपको प्यार करूंगा।